Why did Jesus Die?

1. Because we are all sinners!

Mark 2:17 “ई बात सुनि यीशु हुनका सभ कँ कहलथिन, “वैद्यक आवश्यकता स्वस्थ लोक कँ नहि होइत छैक, बल्कि बिमार सभ कँ! हम धार्मिक सभ कँ नहि, बल्कि पापी सभ कँ बजयबाक लेल आयल छी।”

Romans 3:10 जेना कि धर्मशास्त्र मे लिखल अछि जे, “कोनो मनुष्य धार्मिक नहि अछि, एको गोटे नहि।

Matthew 18:11 “[मनुष्य-पुत्र हेरायल सभ कँ बचयबाक लेल आयल छथि।]

2. Because there is a cost for our sin!

Matthew 15:18-20 मुदा जे बात मुँह सँ बहराइत अछि से हृदय सँ निकलि कऽ अबैत अछि आ से मनुष्य कँ अशुद्ध बनबैत अछि। कारण, हृदय सँ निकलैत अछि विभिन्न तरहक गलत विचार, हत्या, परस्त्रीगमन, अनैतिक शारीरिक सम्बन्ध, चोरी, झूठ गवाही, निन्दाक बात, आ यैह बात सभ मनुष्य कँ अशुद्ध करैत अछि, नहि कि बिनु हाथ धोने भोजन करब, से।”

Romans 6:23 किएक तँ पापक मजदूरी अछि मृत्यु, मुदा परमेश्वरक वरदान अछि अनन्त जीवन जे अपना सभक प्रभु, मसीह यीशुक माध्यम सँ प्राप्त होइत अछि।

Mark 16:16 जे व्यक्ति विश्वास करत और बपतिस्मा लेत तकरा उद्धार होयतैक, मुदा जे व्यक्ति विश्वास नहि करत से दोषी ठहराओल जायत।

There is a price for sin!

3. Because Jesus died and paid for our sins on the cross!

Matthew 1:21 "ओ एकटा पुत्र कँ जन्म देतीह, आ तोँ हुनकर नाम यीशु रखिहह, किएक तँ ओ अपन लोक सभ कँ ओकरा सभक पाप सँ मुक्ति देथिन।"

Romans 5:8 मुदा परमेश्वर अपना प्रेम कँ अपना सभक प्रति एहि तरहेँ देखबैत छथि जे, जखन अपना सभ पापिए छलहुँ तखने मसीह अपना सभक लेल मरलाह।

John 3:16 "हँ, परमेश्वर संसार सँ एहन प्रेम कयलनि जे ओ अपन एकमात्र बेटा कँ दऽ देलनि, जाहि सँ जे केओ हुनका पर विश्वास करैत अछि से नाश नहि होअय, बल्कि अनन्त जीवन पाबय।"

Matt. 18:11 "[मनुष्य-पुत्र हेरायल सभ कँ बचयबाक लेल आयल छथि।]"

4. Salvation is a free gift, not by good works. You must take God's word for it, and trust Jesus alone!

Ephesians 2:8-9 कारण, विश्वास द्वारा, हुनकर कृपे सँ, अहाँ सभक उद्धार भेल अछि—ई अहाँ सभक कोनो पुण्यक फल नहि, बल्कि परमेश्वर द्वारा देल गेल दान अछि। ई ककरो द्वारा कयल कोनो कर्मक परिणाम नहि छैक, जे एहि पर केओ घमण्ड करय।
Titus 3:5 तँ ओ अपना सभक उद्धार कयलनि। ई उद्धार अपना सभक अपन कयल कोनो धर्मक काज सभक आधार पर नहि, बल्कि हुनकर दयाक कारणेँ भेल। अर्थात्, परमेश्वर अपना सभ कँ धो कऽ नव जन्म देलनि, अपन पवित्र आत्मा द्वारा अपना सभ कँ नव बनौलनि।

Acts 4:12 कोनो दोसर व्यक्ति द्वारा उद्धार नहि अछि, कारण स्वर्गक नीचाँ मनुष्य कँ कोनो दोसर नाम नहि देल गेल अछि जाहि द्वारा अपना सभक उद्धार भऽ सकय।"

5. We must put our faith and trust in Christ alone!

Mark 9:23 "यीशु ओकरा कहलथिन, "कोना कहैत छह जे, 'अपने जँ कऽ सकैत छी तँ...'? विश्वास करऽ वलाक लेल सभ किछु सम्भव छैक!"

Mark 1:15 "समय आबि गेल अछि, परमेश्वरक राज्य लग मे अछि! अपना पापक लेल पश्चात्ताप कऽ कऽ हृदय-परिवर्तन करू आ शुभ समाचार पर विश्वास करू।"

Mark 10:15 “हम अहाँ सभ कँ सत्य कहैत छी जे, जे बच्चा जकाँ परमेश्वरक राज्य ग्रहण नहि करत से ओहि मे कहियो नहि प्रवेश करत।”

Romans 10:9-10,13 जँ अहाँ अपना मुँह सँ खुलि कऽ स्वीकार करी जे, “यीशु प्रभु छथि,” आ हृदय सँ विश्वास करी जे, “परमेश्वर हुनका मुइल सभ मे सँ जिऔलथिन” तँ अहाँ उद्धार पायब। किएक तँ हृदय सँ विश्वास कऽ मनुष्य धार्मिक ठहरैत अछि; मुँह सँ स्वीकार कऽ उद्धार पबैत अछि। कारण, लिखल अछि, “जे केओ प्रभु सँ विनती करत तकर उद्धार होयतैक।”

Put your faith in Christ alone!

जँ अहॉ यीशु के अपन रक्षा करए वला मानए चाहैत छी, त’ एतए एकटा आसान प्रार्थना अछि। ई प्रार्थना रटि लिअ’ बाकि कोनो दोसर प्रार्थना अहॉक रक्षा नहि कए सकैत अछि। मात्र यीशुमे विश्वास केनाई अहॉ सभके पाप स’ बचाओत। ई प्रार्थना परमेश्वरमे अहॉक विश्वास प्रगट करबाक एकटा तरीका अछि आओर अहाँ अपन मुक्तिक लेल हुनका धन्यवाद दियौन्ह।

" हे परमेश्वर, हम जनैत छी जे हम पाप कएने छी अओर सजाक भागी छी। मुदा जाहि सजाक हम भागी छी ओ यीशु भोगि लेलाह, एहि कारण हुनकामे विश्वास रखबाक कारण हमरा माफ कए दिए। अपन मुक्तिक लेल हमरा अहॉमे विश्वास अछि। अहॉक कृपा होबाक आओर अनन्त जीवनक सनेस दय हमर मुक्ति करबाक लेल हम अहॉके धन्यवाद दैत छी! आमीन!"